सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-8	विषय: भारत की खोज	पाठ:3

भारत की खोज

पाठ - 3

उत्तर -1 भारत में आर्यों का आगमन कब हुआ इसका कोई निश्चित प्रमाण नहीं है, केवल अनुमान लगाया जा सकता है कि आर्य सिंधु घाटी सभ्यता के एक हज़ार वर्ष बाद आए होंगे। वे पश्चिम- उत्तर दिशाओं से जातियों एवं कबीलों के रूप में एक-एक करके आए।

उत्तर -2 भारत के पश्चिम में सिंधु नदी की घाटी में भारत की प्राचीन सभ्यता की खोज हुई इस सभ्यता के अवशेष सिंध में मोहनजोदड़ो और पश्चिमी पंजाब में हड़प्पा में मिले हैं ।इस खोज से भारत के प्राचीनतम इतिहास की नई जानकारी प्राप्त हुई ।इस सभ्यता का केंद्र विशेष रूप से उत्तर भारत था। यह सभ्यता अत्यधिक विकसित थी भारत में धार्मिक तत्वों का प्रभाव होने के कारण यह सभ्यता संस्कृत युगों की अग्रदूत बनी रही।

उत्तर -3 सिंधु घाटी की सभ्यता की प्रमुख विशेषता यह है कि यह एक विकसित सभ्यता थी ।यहाँ सुव्यवस्थित तरीके से छोटी-छोटी कतारबद्ध दुकान थी । इस सभ्यता में जीवन की सभी सुख - सुविधाओं का विकास करके अच्छे हमाम तथा नालियों तंत्र के विकास के रूप में चुका था।

उत्तर -4 वेदों को भारतीय संस्कृति का सबसे प्राचीनतम इतिहास माना जाता है। अधिकांश विद्वान ऋग्वेद की ऋचाओं का समय ईसा पूर्व 1500 मानते हैं। *वेद* शब्द संस्कृत भाषा के विद् धातु से बना है ।जिसका अर्थ है - जानना ।इस तरह वेद का शाब्दिक अर्थ है- ***ज्ञान*** अर्थात वेद ज्ञान का संग्रह है। वैदिक युग, वैदिक संस्कृति आदि वेद से ही बने हैं।

इसमें न तो मूर्ति पूजा और न ही देव- मंदिर है । वैदिक युग के आर्यों में जीवन के प्रति उत्साह था अतः उनमें आत्म पर बहुत कम ध्यान दिया गया।

उत्तर - 5 उपनिषदों की रचना ईसा पूर्व 800 के आसपास माना जाता है उपनिषदों से ज्ञात होता है कि भारतीय आर्यों में जाँच पड़ताल की चेतना और विभिन्न वस्तुओं के बारे में सत्य की खोज के प्रति उत्साह था। उपनिषदों में सत्य को ही प्रमुखता दी गई है ।उपनिषद में अज्ञान से ज्ञान अथवा अँधेरे से प्रकाश की ओर जाने की इच्छा व्यक्त की गई है।

उत्तर -6 महाभारत में कृष्ण का गीता दर्शन समस्त विश्व को लोक कल्याण का संदेश देता हुआ कर्तव्य एवं अहिंसा के सिद्धांतों का सम्मिश्रण है।इस ग्रंथ के अनुसार अच्छे उद्देश्य के लिए युद्ध करना अहिंसा के सिद्धांत के समान है। कोई 700 श्लोक की छोटी सी काव्य रचना श्रीमद् भागवत गीता महाभारत का ही एक अंश है ।महाभारत का अंश होने के बावजूद यह अपने आप में पूर्ण है । भारत में आज भी इसको जीवन दर्शन का लोकप्रिय ग्रंथ माना जाता है। इसमें मानव विकास के तीनों मार्गो ज्ञान, कर्म तथा भक्ति के बीच समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया गया है।